



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31] नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 21, 1985/माघ 1, 1906

No. 31] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 21, 1985/MAGHA 1, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1985

का. आ. 37(अ) :—केन्द्रीय सरकार, स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 109 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपनी यह राय होने पर कि ऐसा करना लोकाहित में आवश्यक और समीचीन है ; व्याहारी के रूप में कारबार चलाने के लिए अनुज्ञप्ति धारण करने वाली प्रत्येक फर्म को, ऐसी फर्म की भागीदारी में, किसी भागीदार की मृत्यु या निवृत्ति के कारण, परिवर्तन हो जाने की दशा में, तब तक के लिए उक्त अधिनियम की धारा 52 के उपाबंधों के

प्रवर्तन से छूट देती है जब तक इस प्रकार होने वाले परिवर्तन को प्रशासक द्वारा अनुमोदित या अननुमोदित नहीं कर दिया जाता : परन्तु यह तब जब ऐसे परिवर्तन की संसूचना ऐसी घटना के तीस दिन के भीतर प्रशासक को दे दी जाए ।

[सं. 1/85-एफ. 145/22/83-जीसी 2]

कै. एस. दिलीपसिंहजी, अपर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 21st January, 1985

S.O. 37(E).—In exercise of the powers conferred by section 109 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Central Government, being of opinion that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby exempts every firm which holds a licence to carry on business as a dealer, from the operation of the provisions of section 52 of the said Act in case of a change in the partnership of such firm caused by the death or retirement of a partner, until the change so caused is approved or, as the case may be, disapproved by the Administrator: Provided that an intimation of the said change is given within thirty days of its occurrence to the Administrator.

[No. 1/85-F. 145/22/83-GC.II]

K. S. DILIP SINHJI, Addl. Secy.